

नयित्त्रति मानव संक्रमण अध्ययन एवं नैतिक चर्चाएँ

प्रलम्बिस के लयि:

[नयित्त्रति मानव संक्रमण अध्ययन](#), [मलेरिया](#), [डेंगु](#), [वैकसीन](#)

मेन्स के लयि:

[भारतीय चकितिसा अनुसंधान परषिद के दशिन-नरिदेश](#), नयित्त्रति मानव संक्रमण अध्ययन से संबन्धति नैतिक चर्चाएँ

चर्चा में क्यौं?

[भारतीय चकितिसा अनुसंधान परषिद \(ICMR\)](#) की बायोएथकिस यूनिटि ने [नयित्त्रति मानव संक्रमण अध्ययन \(CHIS\)](#) के नैतिक पहलुओं को संबोधति करते हुए एक सर्वसम्मति नीति विकृतव्य का मसौदा तैयार कयि है, जो भारत में इसके संभावति कार्यानवयन के लयि द्वार खोलता है।

नयित्त्रति मानव संक्रमण अध्ययन से संबन्धति नैतिक चर्चाएँ:

परचिय:

- CHIS एक शोध मॉडल है जो [जान-बूझकर स्वस्थ स्वयंसेवकों को नयित्त्रति परसिथतियों में रोगजनकों के संपर्क में लाता है](#)।
- इसका उपयोग वभिन्न देशों में [मलेरिया](#), [टाइफाइड](#) और [डेंगु](#) जैसी बीमारयिों का अध्ययन करने के लयि कयि जाता है।

CHIS के कार्यानवयन के लाभ: ICMR के अनुसार, CHIS में चकितिसा अनुसंधान एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य के लयि कई लाभ प्रदान करने की क्षमता है:

- बीमारयिों के रोगजनन के संबन्ध में अंतरदृष्टि: CHIS बीमारयिों के विकास और प्रगतिके बारे में अद्वितीय अंतरदृष्टि प्रदान कर सकता है, जसिसे संक्रामक रोगों के संबन्ध में गहरी समझ विकसति हो सकती है।
- त्वरति चकितिसा हस्तक्षेप: शोधकर्ताओं को रोग की प्रगति का तीव्रता से अध्ययन करने की अनुमति देकर CHIS नए उपचार और टीकों के विकास में तेजी ला सकता है।
- लागत प्रभावी और कुशल परणाम: CHIS को बड़े नैदानिक परीक्षणों की तुलना में छोटे नमूना आकार की आवश्यकता होती है, जसिसे यह अधिक लागत प्रभावी अनुसंधान मॉडल बन जाता है।
- सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया में योगदान: CHIS के नषिकर्ष सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रियाओं, स्वास्थ्य देखभाल के नरिणय और नीति विकास को सूचित कर सकते हैं।
 - CHIS के माध्यम से रोग की गतशीलता को समझने से भवषिय की महामारयिों के लयि तैयारी सुनिश्चित की जा सकती है।
- सामुदायिक सशक्तीकरण: CHIS अनुसंधान में समुदायों को शामिल करने से उन्हें अपने स्वास्थ्य के अधिकार के साथ स्वास्थ्य देखभाल पहल में सक्रिय रूप से भाग लेने के लयि सशक्त बनाया जा सकता है।

नैतिक चुनौतियौं:

- [जान-बूझकर नुकसान और प्रतभागियों की सुरक्षा](#): स्वस्थ स्वयंसेवकों को रोगजनकों के संपर्क में लाने से प्रतभागियों को संभावति नुकसान के बारे में चर्चाएँ बढ़ जाती हैं।
- [प्रोत्साहन और मुआवज़ा](#): CHIS में प्रतभागियों के लयि उचित मुआवज़ा नरिधारति करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।
 - बहुत अधिक मुआवज़े की पेशकश लोगों को अनुचित रूप से भाग लेने के लयि प्रेरति कर सकती है, जो संभावति रूप से सूचित सहमति से समझौता कर सकती है।
 - इसके विपरीत अपर्याप्त मुआवज़ा देने से कमज़ोर व्यक्तियों का शोषण हो सकता है।
- [तृतीय-पक्ष जोखमि](#): अनुसंधान में शामिल प्रतभागियों के अतिरिक्त तीसरे पक्ष में रोग संचरण का जोखमि चर्चा का वषिय है।
- [न्याय एवं नषिपक्षता](#): एक चर्चा का वषिय यह भी है कि CHIS में कम आय वाले या [हाशयि पर स्थति समुदाय](#) के प्रतभागियों को असमान रूप से शामिल कयि जा सकता है।

आगे की राह

- **नैतिक बचिार:** इसका पहला कदम **CHIS प्रोटोकॉल का गहन मूल्यांकन करने के लिये एक स्वतंत्र नैतिकता समिति** की स्थापना करना है।
 - इस समिति में चकित्सा नैतिकता, संक्रामक रोगों तथा कानूनी प्रतनिधियों सहित प्रासंगिक क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल होने चाहिये ताकि यह सुनिश्चित कया जा सके कि पूरी प्रक्रया के दौरान प्रतभागियों की सुरक्षा और अधिकार संरक्षित हैं।
- **सूचित सहमत और वापसी:** CHIS में भाग लेने वाले स्वयंसेवकों को इसके जोखमिों के बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिये।
 - सूचित सहमत प्राप्त की जानी चाहिये तथा प्रतभागियों को **बना किसी दंड के किसी भी समय सहमत वापस लेने का अधिकार होना चाहिये।**
- **जोखमि न्यूनीकरण और चकित्सा सहायता:** प्रतभागियों के लिये जोखमि को कम करने के उपाय कये जाने चाहिये।
 - इसमें **परीक्षण के दौरान करीबी चकित्सा नगरानी** तथा यदि कोई प्रतभागी बीमार हो जाता है तो उचित चकित्सा देखभाल और उपचार तक पहुँच शामिल है।

स्रोत: द हद्वि

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/controlled-human-infection-studies-and-ethical-concerns>

